अध्याय – 4
राज्य की वित्तीय स्थिति की समीक्षा

प्रस्तावना

4.1 राज्य सरकार से स्थानीय निकायों को कोष का अंतरण कितना हो यह निर्धारित करने के लिये राज्य की राजकोषीय क्षमता का विश्लेषण आवश्यक है। इस प्रकार हस्तांतरण में राज्य सरकार के लिए वित्तीय संसाधन जो उसको अपनी प्रतिबद्धताओं और जिम्मेदारियों के निर्वहन तथा सामाजिक विकास कार्यक्रम जारी रखने के लिए चाहिये और स्थानीय निकायों के लिये वित्तीय संसाधन, जो उन्हें अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने तथा नागरिकों को आवश्यक सेवाएँ सक्षमता के साथ उपलब्ध करने के लिए चाहिये, इन दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है। इसके लिये राज्य की वित्तीय क्षमता का विश्लेषण किया जाना जरूरी है, जिससे अगले पांच वर्षों में करों और शुल्कों आदि से राज्य के स्वयं के राजस्व का आकलन किया जा सके, जिससे इन स्थानीय निकायों को हिस्सा प्राप्त होता है। साथ ही राज्य के कुल राजस्व का पूर्वानुमान भी लगाया जा सके, जिससे स्थानीय निकायों को राज्य सरकार से अनाबद्ध एवं आबद्ध (अनटाइड और टाइड) अनुदान प्रदान किया जाना है।

4.2 हमने पिछले पांच वर्षों अर्थात् वर्ष 2006–07 से वर्ष 2010–11 के दौरान राजस्व और व्यय की प्रवृत्तियों का पता लगाने के लिये इस अवधि में राज्य सरकार की वित्त व्यवस्था का पुनरीक्षण किया है, जिससे अगले पांच वर्षों (वर्ष 2012–13 से 2016–17) अर्थात् आयोग की अधिनिर्णय अवधि (अवार्ड पीरियड) के लिये राजस्व और व्यय का पूर्वानुमान लगाया जा सके। पूर्वानुमानों के लिये इन पांच वर्षों के दौरान राज्य के राजस्व और व्यय तथा सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सम्बन्ध का सहारा लिया गया है। आयोग ने वर्ष 2010–15 की अवधि के लिये 13 वें वित्त आयोग के राजस्व और व्यय सम्बन्धी पूर्वानुमानों का भी उपयोग किया है। आयोग ने वर्ष 2010–11 के वास्तविक आंकड़े वर्ष 2011–12 के पुनरीक्षित अनुमान और वर्ष 2012–13 के बजट अनुमानों की तुलना 13 वें वित्त आयोग द्वारा बनाये गये पूर्वानुमान से की है। हमने बारहवीं पंचवर्षीय योजना, जिसकी अवधि आयोग की अधिनिर्णय अवधि के समरूप है, के लिये राज्य सरकार के राजस्व और

व्यय सम्बंन्धी पूर्वानुमानों पर भी विचार किया है। आयोग के पूर्वानुमान व्यापक रूप से इन्हीं पर आधारित है। परन्तु पूर्वानुमान में इनके साथ राजस्व की वृद्धि दर और अन्य कारणों को भी ध्यान में रखा है। इस पुनरीक्षण के लिये आंकड़े और विवरण राज्य सरकार के बजट दस्तावेजों से लिये गये हैं। इसके साथ ही दिनांक 31 मार्च 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिये भारत के नियंत्रक और महालेखाकार ने राज्य की वित्त व्यवस्था के सम्बन्ध में जो उत्कृष्ट रिपोर्ट दी है, उसका भी हमने उपयोग किया गया है।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.)

4.3 सकल राज्य घरेलू उत्पाद किसी राज्य के आर्थिक विकास का दर्पण और राज्य की राजकोषीय क्षमता का परिचायक होता है। अतः सकल राज्य घरेलू उत्पाद की प्रवृत्तियों पर संक्षिप्त चर्चा आवश्यक है। एक पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आये हुये छत्तीसगढ़ को एक दशक से कुछ ही अधिक समय हुआ है, परन्तु सकल राज्य घरेलू उत्पाद के क्षेत्र में इसने उच्च दर का कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य की दीर्घकालीन सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर प्रचलित भाव पर 14.52% और स्थिर भाव पर 8.12% रही है। पिछले पांच वर्षो (2006–07 से 2010–11) के दौरान वृद्धि की दर प्रचलित भाव से 14.35% थी जबकि इस अवधि में एक ऐसा खराब वर्ष (2009–10) भी था जिसमें वृद्धि घटकर 2.30% तक पहुंच गई । इसी अवधि में स्थिर भाव पर वृद्धि की दर 7.40% थी। पिछले पांच वर्षो के दौरान सकल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर निम्नलिखित **तालिका– 4.1** में दर्शायी गई है।

तालिका 4.1

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी.एस.डी.पी.) में वृद्धि की प्रवृत्ति

	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10 अनंतिम अनु.	2010–11 त्वरित अनु.	2011–12 अग्रिम अनु.
प्रचलित भाव पर						
जी.एस.डी.पी. (करोड़ रूपयों में)	66874.89	80255.11	96972.18	99261.96	117566.74	135536.34
विकास दर (%) पिछले वर्ष से परिवर्तित	25.28	20.10	20.83	2.36	18.44	15.28

स्थिर भाव पर						
जी.एस.डी.पी. (स्थिर भाव पर जी.एस.डी.पी.)	58598.16	63643.77	68982.11	71221.09	79166.09	87723.17
वृद्धि दर %	18.60	8.61	8.39	3.25	11.16	10.8

स्त्रोत–आर्थिक सर्वेक्षण 2011–11 आर्थिक एवं सांख्यकीय संचालनालय (छ0ग0)

वर्ष 2009–10 में इस वृद्धि दर में अत्यधिक कमी हो गई थी। इस वर्ष राज्य के 12 जिलों के 66 विकास खण्डों में सूखे की स्थिति थी। प्राथमिक क्षेत्र में यह वृद्धि दर बहुत कम रह गई जबकि द्वितीयक क्षेत्र में वृद्धि दर नकारात्मक (-7.38%) थी। सेवा क्षेत्र की बेहतर वृद्धि अन्य दो क्षेत्रों में वृद्धि की कमी को पूरा नहीं कर सकी। इस वर्ष को एक असामान्य वर्ष माना जाना चाहिये। इसके अगले ही वर्ष राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार आया। उपर्युक्त खराब वर्ष को शामिल करने के बावजूद पांच वर्षों की अवधि (2006–11) में वृद्धि दर 14.35% रही है। स्थिर भाव पर इन पांच वर्षों में वृद्धि की दर 7.40% रही जो कि राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। अनुमान लगाया जाता है कि प्रचलित भाव पर वर्ष 2011–12 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद पूर्ववर्ती वर्ष 2010–11 की अपेक्षा 15.28% बढ़कर रु. 1,35,536.34 करोड़ का होगा। स्थिर भाव पर वृद्धि दर के 10.8% होने की सम्भावना है।

4.4 सकल राज घरेलू उत्पाद की क्षेत्रवार वृद्धि दर से भी स्पष्ट प्रवृत्ति का पता नहीं चलता है। प्राथमिक क्षेत्र में इन पांच वर्षो में औसत वृद्धि के 14.58% होने का अनुमान है जबकि यह दर वर्ष 2007–08 में 25% और वर्ष 2010–11 में मात्र 1.02% थी। इसी प्रकार द्वितीयक क्षेत्र में औसत वृद्धि दर 20.39% अवश्य है परन्तु इस वर्ष में वृद्धि दर में काफी उतार–चढ़ाव रहा है, जैसे वर्ष 2006–07 में इसमें 51.80% की गिरावट और वर्ष 2010–11 में 7.38% की गिरावट देखी गई। इस अवधि में तृतीयक क्षेत्र में इतना बड़ा अंतर देखने में नहीं आया। हालांकि सेवा क्षेत्र ने देश में आर्थिक वृद्धि को गति दी लेकिन, छत्तीसगढ़ में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 33 से 35% पर स्थिर है। पिछले दो वर्षो में इसमें कुछ वृद्धि हुई है। 11 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्थिर दर पर इसका योगदान 11.17% है जो की लक्ष्य 8% से अधिक रही है।

4.5 दीर्घकालीन सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 14.52% थी। तेरहवें वित्त आयोग का अनुमान था कि प्रचलित भाव पर 2015 तक यह विकास दर लगभग 12.5% होगी। यह अनुमान सभी राज्यों की सकल राज्य घरेलू उत्पाद को एक समतुलनीय स्तर

पर लाने के लिये और योजना आयोग द्वारा यथा निर्धारित उसी अवधि के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि लक्ष्य दर को ध्यान में रखते हुए आवश्यक समायोजन करने के बाद प्राप्त किया गया है। वर्ष 2010–11 और वर्ष 2011–12 में छत्तीसगढ़ का सकल राज्य घरेलू उत्पाद तेरहवें वित्त आयोग के अनुमानों से कहीं अधिक है –

वर्ष	13 वें वित्त आयोग का पूर्वानुमान (करोड़ रू0 में)	अनुमानित (करोड़ रू0 में)	
2010–11	102004	117566.74 (त्वरित अनुमान)	15.3% अधिक
2011–12	114728	135536.34 (अग्रिम अनुमान)	18.2% अधिक

4.6 जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है पिछले 5 वर्षों में (2006–7 से 2010–11) प्रचलित भाव पर वृद्धि दर 14.35% थी। राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बाक्साइट इत्यादि के विशाल भण्डार है, अतः यहां खनिकर्म में वृद्धि होगी, कई बड़े विद्युत संयंत्र निर्माणाधीन है, निर्माण कार्य में बहुत वृद्धि हुई है, परिवहन क्षेत्र भी बहुत बढ़ा है। इन तमाम बातों के परिप्रेक्ष्य में यह मानना पूर्णतः तर्क संगत है कि राज्य में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दीर्घकालीन औसत के समतुल्य होगी। इसके साथ ही हमें देश की अर्थव्यवस्था को भी ध्यान में रखना है, जिसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ना निश्चित है। वर्ष 2011–12 में देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि की दर 9% से घटकर 6.50% से 7% तक रहने का अनुमान है। बारहवीं योजना के लिये निर्धारित लक्ष्यों का पूरा हो पाना कठिन दिखाई देता है। इसका राज्य पर प्रभाव पड़ेगा। वर्ष 2011–12 के लिये सकल राज्य घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर प्रचलित दर पर 15.28% है जो दीर्घकालीन दर से कुछ अधिक है। इस वस्तु स्थिति के परिप्रेक्ष्य में हमारा प्रस्ताव है कि राज्य की राजकोषीय क्षमता के मूल्यांकन के लिये वर्ष 2012–17 की अवधि के लिये सकल राज्य घरेलू उत्पाद की दर प्रचलित दर पर दीर्घकालीन वृद्धि दर 14.5% के समतुल्य मानी जाये। यह दर तेरहवें वित्त आयोग द्वारा अनुमानित दर से कुछ अधिक होगी। योजना आयोग के कार्य दल की अनुशंसाओं के आधार पर राज्य सरकार द्वारा 12 वीं योजना के लिये किये गये पूर्व अनुमान से यह कुछ

भिन्न है। ये पूर्वानुमान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद की 12.8% वृद्धि दर की सामान्य प्रवृत्ति पर आधारित हैं राज्य की स्वीकृत योजना के अनुसार निम्नानुसार हैं –

(करोड़ रूपयों में)

2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
1,52,830	1,72,330	1,94,318	2,19,112	2,47,070

आधार वर्ष (2011–12) के लिये सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अनुमान पिछले वर्ष से 15.28% अधिक अर्थात रु0 1,35,336.34 करोड़ होने का है। हमने अपनी गणना के लिये इसे 14.5% ही माना है। इस प्रकार आधार वर्ष के लिये सकल राज्य घरेलू उत्पाद रु0 1,34,613 करोड़ माना गया है। उपर्युक्त आधार पर 2012–17 की अवधि के लिये पूर्वानुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद निम्नानुसार है –

तालिका 4.2

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव पर)

(करोड़ रूपयों में)

आधार वर्ष 2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
	14.5%	14.5%	14.5%	14.5%	14.5%
1,34,613	1,54,132	1,76,481	2,02,072	2,31,371	2,64,920

हमने आयोग की अधिनिर्णय अवधि के दौरान सभी प्रयोजनों के लिये सकल राज्य घरेलू उत्पाद की उपर्युक्त वृद्धि दर को ही मान्य किया है।

राज्य की वित्तीय स्थिति

4.7 वर्ष 2006–07 से वर्ष 2010–11 अर्थात पिछले पांच वर्षों की अवधि में स्थिति, वर्ष 2011–12 की स्थिति और चालू वर्ष के बजट के अनुसार राज्य की वित्तीय स्थिति को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है–

तालिका 4.3

राज्य की वित्तीय स्थिति

(करोड़ रूपयों में)

क्रमांक	विवरण	2006–07 लेखा	2010–11 लेखा	2011–12 पुनरीक्षित अनु.	2012–13 बजट अनु.
I	राजस्व प्राप्तियां (क+ख)	11453.24	22719.54	27708.3	31,378.64
(क)	राज्य की प्राप्तियां	6497.06	12,840.46	15031.94	17,521.15
1.	कर राजस्व	5045.72	9005.14	10494.76	12175.59
2.	गैर कर राजस्व	1451.34	3835.32	4537.18	5345.56
(ख)	केन्द्र से प्राप्तियां	4956.13	9879.08	12676.36	13857.49
1.	केन्द्रीय करों में राज्य का भाग	3198.77	5425.19	6517.22	7494.83
2.	सहायता अनुदान	1757.41	4453.89	6159.14	6362.66
II	पूंजीगत प्राप्तियां	196.53	–769.06	4488.16	5793.9
	ऋण और अग्रिम वसूली	356.92	563.81	1253.08	1571.7
III	कुल प्राप्तियां	11649.77	21950.48	32196.46	37172.54
IV	गैर योजना व्यय	6228.09	11299.72	13774.74	15642.42
	राजस्व व्यय (ब्याज भुगतान सहित)	6194.03	11286.39	13762.68	15,631.14
	ऋण एवं अग्रिम	1025.53	1198.37	11.27	10.47
V	योजना व्यय	5545.3	11,576.44	18972.72	21,931.19
	राजस्व व्यय	2608.41	8069.36	11805.01	12,788.24
	पूंजीगत व्यय	2169.08	2950.52	5843.34	7189.08
	ऋण एवं अग्रिम	767.81	556.56	1324.37	1953.87
VI	कुल व्यय	11773.39	22876.16	32747.46	37573.61
VII	राजस्व व्यय	8802.44	19355.75	25567.69	28419.38
VIII	पूंजीगत व्यय	2198.1	2951.51	5844.13	7189.89
IX	ऋण एवं अग्रिम	772.85	586.9	1335.64	1964.34
X	राजस्व घाटा	2650.8	3363.79	2140.61	2959.26
	राजकोषीय घाटा	36.77	409.75	(–)3786.08	(–)4623.27
	प्राथमिक घाटा	1062.3	1608.12	(–)2531.74	(–)3280.73

स्त्रोत :– मूल आकड़ें, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त सचिव के संबंधित वर्षों के ज्ञापन

राज्य के वित्त का परिमाण जो वर्ष 2001–02 में रु0 6000 करोड़ था, वह बढ़कर वर्ष 2012–13 में रु0 37,574 करोड़ हो गया है। पिछले पांच वर्षों (2006–2011) के दौरान राज्य के कुल व्यय में लगभग 100% की वृद्धि हुई है और वह रु0 11,773 करोड़ से बढ़कर रु0 22,878 करोड़ हो गया है और चालू वर्ष तक उसमें 300% से अधिक की वृद्धि हुई है।

सकल राज्य घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव पर) के सन्दर्भ में राज्य की वित्तीय स्थिति पिछले पांच वर्षों के दौरान निम्नानुसार रही है :–

तालिका 4.4

राजकोषीय संकेतक

क्रमांक	विवरण	2006–07 लेखा	2007–08 लेखा	2008–09 लेखा	2009–10 लेखा	2010–11 लेखा	2011–12 पुन. अनु.	छः वर्षों का औसत
I	राजस्व प्राप्तियां (क+ख)	17.13	17.29	16.15	18.29	19.32	20.44	18.10
(क)	राज्य की प्राप्तियां	9.72	9.52	9.07	10.24	10.92	11.09	10.09
1.	कर राजस्व	7.55	7	6.80	7.18	7.66	7.74	7.32
2.	गैर कर राजस्व	2.17	2.52	2.27	3.07	3.26	3.35	2.77
(ख)	केन्द्रीय प्राप्तियां	7.41	7.78	7.08	8.05	8.4	9.35	8.01
II	पूंजीगत प्राप्तियां	0.29	0.63	1.97	2.57	(–)0.65	3.31	1.35
III	कुल प्राप्तियां	17.17	17.93	18.12	20.86	18.67	23.75	19.46
IV	कुल व्यय	17.61	18.03	17.76	21.07	19.46	24.16	19.68
V	राजस्व व्यय	13.16	13.51	14.22	17.39	16.46	18.86	15.60
VI	ऋण एवं अग्रिम	1.16	0.63	0.51	0.91	0.48	0.99	0.78
VII	राजस्व अधिशेष	3.96	3.79	1.93	0.89	2.86	1.58	(–)2.50
VIII	राजकोषीय घाटा	0.05	(–)0.16	(–)0.16	(–)1.77	0.35	(–)2.80	(–)0.89
IX	प्राथमिक अधिशेष / घाटा	1.59	1.26	0.05	(–)0.67	1.37	(–)1.87	0.29

4.8 राजकोषीय सुदृढीकरण हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त के रूप में 13 वें वित्त आयोग ने अनुशंसा की थी कि ऐसे राज्यों, जिनका वर्ष 2007–08 में राजस्व घाटा शून्य या अधिशेष था, को वर्ष 2011–12 तक राजस्व घाटे को समाप्त करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि ऐसे राज्यों को वर्ष 2011–12 तक राजकोषीय घाटे को कम करके सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3% तक कर लेना चाहिये। आयोग ने राज्य सरकारों से अपने ऋण को कम

करने के लिये भी आग्रह किया था। उसने राज्य सरकारों से अपने अपने राजकोषीय दायित्व और बजटीय प्रबन्धन अधिनियम को उपर्युक्त हिदायतों के अनुरूप बनाने के लिये भी आग्रह किया था। राज्य सरकार ने वर्ष 2011 में अपने राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबन्धन अधिनियम में संशोधन किये। इस संशोधन के अनुसार राज्य सरकार इस अवधि में राजस्व घाटे को सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3% के अन्दर ही रखेगी। तेरहवें वित्त आयोग की अनुशंसा को अनुपालन करते हुए उक्त संशोधन में यह भी प्रावधान किया गया है कि राज्य के बकाया ऋण राशि को 2010–11 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 22% और 2014–15 में 23.90% से कम ही रखा जाये।

राज्य सरकार ने इन लक्ष्यों को प्राप्त किया है। राज्य ने पिछले पांच वर्षों (2006 से 2011) तथा 13 वें वित्त आयोग की अधिनिर्णय अवधि के तीन वर्षो 2011–12 (पुनरीक्षित अनुमान) तथा 2012–13 (बजट अनुमान) के दौरान राजस्व अधिशेष को बरकरार रखा। राजकोषीय घाटे को भी बहुत निम्न स्तर पर रखा गया तथा 2006–07 से इसे निर्धारित लक्ष्य 3% से अधिक नहीं होने दिया गया। बल्कि वर्ष 2009–10 और 2010–11 में राज्य में राजकोषीय अधिशेष की स्थिति थी। दिनांक 31.03.2011 को राज्य की कुल देनदारी रु0 13,447.74 करोड़ थी जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 11.45% हS और राजकोषीय दायित्व एवं बजटीय प्रबन्धन अधिनियम में यथा निर्धारित सीमा से कहीं कम है। इस प्रकार राज्य ने न केवल 13 वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित राजकोषीय लक्ष्यों का पालन किया है बल्कि एक सुदृढ़ राजकोषीय स्थिति को भी बनाये रखा। इस संदर्भ में यह विचारणीय है कि राजकोषीय अधिशेष बनाये रखना आर्थिक दृष्टि से कहां तक उचित है। किसी भी नये राज्य को अधोसंरचना के लिये अधिक निवेश की आवश्यकता होती है और अधिशेष राशि का उत्पादक परिसम्पत्ति विनिर्माण में बेहतर उपयोग किया जा सकता है। वित्त प्रबन्धन के सम्बन्ध में और भी चिंताए हैं जिनके सम्बन्ध में हमने विचार और सुझाव इस प्रतिवेदन में अगले अध्याय में प्रस्तुत किया है।

राज्य की राजस्व प्राप्तियां

4.9 राज्य की राजस्व प्राप्तियां जिसमें राज्य के स्वयं की प्राप्ति जिसमें कर एवं कर भिन्न राजस्व, केन्द्रीय कर अंतरण और अनुदान सम्मिलित है, पिछले पॉच वर्षो (2006–11) के दौरान 18.7% की दर से बढ़ी है। वर्ष 2001–2010 की अवधि में राज्य की राजस्व प्राप्ति

की चक्रीय वार्षिक विकास दर 19.46% थी जबकि देश के अन्य सभी सामान्य श्रेणी के राज्यों में यह 15.20% थी। उपर्युक्त विकास दर वर्ष 2012–13 (बजट अनुमान) में घटकर 13.3% रह गई। हालांकि वर्ष 2010–11 में राज्य को 57% राजस्व प्राप्ति अपने स्वयं के स्त्रोतों से हुई तथा केन्द्र से कर हस्तांतरण एवं सहायता अनुदान का योगदान 43% रहा। सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सापेक्ष में राजस्व प्राप्तियों की प्रवृत्ति तथा सकल राज्य घरेलू उत्पादों के सम्बन्ध में राजस्व उत्प्लावन अधोलिखित **तालिका 4.6** में प्रस्तुत है –

तलिका 4.5

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति की प्रवृत्तियां

करोड़ रूपये में

	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	चक्रीय वार्षिक वृद्धिदर	2011–12 पुनरीक्षित	2012–13 बजट अनुमान
राजस्व प्राप्तियां करोड़ रूपयों में	11453	13,879	15663	18154	22720	18.7	27708	31379
राजस्व प्राप्तियों वृद्धि दर (प्रतिशत)	29.6	21.2	12.86	15.9	25.15	–	21.9	13.3
राजस्व प्राप्तियां / सकल राज्य घरेलू उत्पाद (प्रतिशत)	17.12	17.29	16.2	18.3	19.3	–	20.4	19.11
सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजस्व उत्प्लावन	1.17	1.06	0.62	6.74	1.36	–	1.43	0.63

राजस्व प्राप्तियां जो वर्ष 2006–07 में रु0 11,453 करोड़ थी, वह बढ़कर वर्ष 2011–12 में रू0 27,708 करोड़ (पुनरीक्षित अनुमान) हो गई। राजस्व में उत्प्लावन का रूख जो पिछले तीन वर्षों में 1 से अधिक था उसके चालू वर्ष में घटकर 0.63 हो जाने की सम्भावना है।

राज्य की स्वयं की राजस्व प्राप्तियां

4.11 आन्तरिक स्त्रोतों के दोहन में राज्य की स्थिति काफी अच्छी रही है। राष्ट्रीय औसत की तुलना में छत्तीसगढ़ में कर संग्रहण की लागत अपेक्षाकृत कम है, जो कर संग्रहण में अत्यधिक प्रभावशीलता दर्शाती है। विगत पांच वर्षों के दौरान (अर्थात् 2006 से 2011) राज्य में कर तथा गैर कर राजस्व संग्रहण की प्रवृत्ति का विवरण अधोलिखित **तालिका 4. 7** में दिया गया है –

तालिका 4.6

राज्य का स्वयं का राजस्व

(करोड़ रूपयों में)

	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	चक्रीय वार्षिक वृद्धि दर	2011–12 पुनरीक्षित अनुमान	2012–13 बजट अनु.
कर राजस्व (राज्य के स्वयं का कर राजस्व)	5046	5618	6594	7123	9005	–	10494.76	12175.60
वद्धि दर (%)	24.53	11.34	17.37	8.03	26.42	15.6	16.54	16.02
कर भिन्न राजस्व	1451	2021	2202	3043	3835	–	4537.18	5345.60
वद्धि दर (%)	18.06	39.28	8.96	38.19	26.03	27.5	18.30	17.82
राज्य के स्वयं की राजस्व प्राप्तियां (कर + कर भिन्न राजस्व)	6497.06	7638.52	8795.9	10166.3	12840.5	–	15031.94	17521.15
कुल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में	55.8	53.09	50.06	49.1	58.5	–	46.69	47.13

यद्यपि कुल प्राप्तियों में प्रतिशत की दृष्टि से राज्य के स्वयं के राजस्व में वृद्धि हुई है परन्तु वर्ष 2011–12 (पुनरीक्षित अनुमान) और वर्ष 2012–13 (बजट अनुमान) में यह प्रतिशत कम है और इसका प्रमुख कारण 13 वें वित्त आयोग के अवार्ड के अनुसार उच्चतर केन्द्रीय कर हस्तांतरण है।

कर और कर भिन्न राजस्व में कुल प्राप्तियां 13 वें वित्त आयोग के आकलन की अपेक्षा कहीं अधिक है, जो **तालिका 4.8** से स्पष्ट है।

तालिका 4.7

तेरहवें वित्त आयोग का राजस्व विषयक पूर्वानुमान

(करोड़ रूपये में)

वर्ष	वि0 आ0 का पूर्वानुमान		वास्तविक	
	कर राजस्व	गैर कर राजस्व	कर राजस्व	गैर कर राजस्व
2010–2011	8946.59	2389.38	9005.14	3835.36
2011–2012 (पुन.आंकड़े)	10062.56	2516.25	10494.76	4537.18
2012–2013 बजट अनुमान	11320.38	2652.46	12175.59	5345.56

कर राजस्व

4.12 राज्य के कर राजस्व (स्वयं का कर राजस्व) की पिछले पांच वर्षों (2006–11) की अवधि में चक्रीय वार्षिक वृद्धि दर 15.6% थी। स्वयं के कर राजस्व की चक्रीय वार्षिक वृद्धि दर वर्ष 2001–02 से वर्ष 2009–10 के दौरान 17.26% थी जबकि देश के अन्य सामान्य वर्ग के राज्यों में यह दर 14.53% थी। वृद्धि की यह दर स्थिर नहीं अपितु 8% से 26% के मध्य उतार–चढ़ाव वाली थी। वर्ष 2011–12 में तथा चालू वर्ष के बजट अनुमान के अनुसार यह दर 16% है।

4.13 राज्य में कर राजस्व के प्रमुख स्त्रोत विक्रय, व्यापार आदि पर कर (वेट), राज्य का उत्पाद शुल्क, वाहनों पर कर, स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क हैं। वर्ष 2006–2011 की अवधि में तथा वर्ष 2011–12 (पुनरीक्षित अनुमान) तथा 2012–13 (बजट अनुमान) में कर राजस्व का क्षेत्र वार योगदान निम्नानुसार है :

तालिका 4.8

कर राजस्व के घटक

(करोड़ रूपयों में)

	2006–07	2007–08	2008–9	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13
बिक्री, व्यापार पर कर	2843	3024	3611	3712	4841	6000	7200
राज्य उत्पाद शुल्क	707	843	964	1188	1506	1550	1650
वाहन कर	253	277	314	352	428	475	550
स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क	390	463	496	583	786	875	1000
भू राजस्व	61	88	359	160	247	250	275
माल और यात्री कर	302	511	421	696	675	700	805
अन्य कर	490	412	429	432	522	645	696
कुल योग	5046	5618	6594	7123	9005	10,495	12,176
वृद्धि दर (%)	24.53	11.34	17.37	8.03	26.42	17	16

स्त्रोत :–सम्बन्धित वर्षों के वित्त सचिव का स्मृति पत्र

4.14 राज्य के कुल कर राजस्व में वेट का योगदान 60% है मगर "वेट" के स्थान पर 01.04.2013 से वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) लागू किये जाने की सम्भावना है। इस बदलाव का इस स्त्रोत से मिलने वाले कर पर प्रभाव पड़ेगा। इतनी जल्दी यह कर लागू होगा इसमें संदेह है। किसी भी स्थिति में वस्तु एवं सेवा कर, जहां तक राज्यों का सम्बन्ध है, पांच वर्षों तक रेवेन्यू न्यूट्रल रहेगा। इसलिये हमने राज्य के स्वयं के कर राजस्व पर वस्तु एवं सेवा कर के प्रभाव पर ध्यान नहीं दिया है।

4.15 सामान्यतः सकल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि के साथ राज्य के कर राजस्व में भी वृद्धि होनी चाहिए परन्तु छत्तीसगढ़ के साथ ऐसा नहीं हुआ है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद के सन्दर्भ में स्वयं के कर राजस्व की उत्प्लावकता लगभग स्थिर रही है, जैसा कि निम्न तालिका से स्पष्ट है :–

तालिका 4.9

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के संदर्भ में स्वयं के कर राजस्व का उत्प्लावन

	2006–07	2007–08	2008–9	2009–10	2010–11	2011–12
सकल राज्य घरेलू उत्पाद में वृद्धि	25.28%	20.01%	20.83%	2.36%	18.44%	15.28%
कर राजस्व में उत्प्लावन	0.97	0.57	0.83	0.34	1.43	1.08

सकल राज्य घरेलू उत्पाद की तुलना में कर राजस्व की वृद्धि दर कम थी। विगत पांच वर्षों (वर्ष 2006–2011) के दौरान कर और सकल राज्य घरेलू उत्पाद का अनुपात निम्न तालिका में दर्शाया गया है –

तालिका 4.10

कर/सकल राज्य घरेलू उत्पाद अनुपात

(करोड़ रूपयों में)

	2006–07	2007–08	2008–9	2009–10	2010–11	2011–12 (पुन.अनु.)
राज्य का स्वयं का कर राजस्व	5045.72	5618.07	6593.72	7123.27	9005.14	10494.76
सकल राज्य घरेलू उत्पाद	66874.89	80255.11	96972.18	99261.96	117566.74	135536.34
कर/सकल राज्य घरेलू अनुपात(%)	7.50%	7.00%	6.80%	7.20%	7.70%	7.70%

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के तुलना में राज्य का कर राजस्व का अनुपात 7% से 8% के बीच रहा है। पिछले पांच वर्षों (वर्ष 2010–11 तक) में इसका औसत 7.25% था। तेरहवें वित्त आयोगने अपनी गणना के अनुसार वर्ष 2010–15 की अवधि के लिये राज्य का कर/सकल राज्य घरेलू उत्पाद अनुपात 8.77% माना है। जैसा कि हमने पहले ही बताया है कि स्वयं का कर राजस्व 13 वें वित्त आयोग के अनुमान की अपेक्षा दो वर्षों (2010–12) में अधिक हुआ। राज्य के स्वयं के कर राजस्व के पूर्वानुमान हेतु हमारा प्रस्ताव सकल राज्य

घरेलू उत्पाद के हमारे पूर्वानुमान के आधार पर वर्ष 2012–2017 के दौरान राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद और स्वयं का कर राजस्व का अनुपात 8 मान्य किये जाने का है।

4.16 वर्ष 2012–2017 की अवधि के लिये राज्य का स्वयं का कर राजस्व उपर्युक्त आधार पर निम्नानुसार प्रक्षेपित किया जाये। ये आंकड़े 12 वीं योजना के लिये प्रक्षेपित आंकड़े के बहुत निकट हैं –

तालिका 4.11

राज्य के स्वयं का कर राजस्व : पूर्वानुमान

(करोड़ रूपयों में)

	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
12 वीं योजना के लिये राज्य सरकार का अनुमान	12719.48	14338.28	16446.01	18863.57	21636.51
13 वें वित्त आयोग का प्रक्षेपण	11320.38	12735.43	14327.36	---	---
छ0ग0 के द्वितीय वित्त आयोग का प्रक्षेपण	12175.60	14118.50	16165.80	18509.70	21193.60
कर एवं सकल राज्य घरेलू उत्पादन का अनुपात	8	8	8	8	8

कर राजस्व के उपर्युक्त आंकड़े राज्य सरकार द्वारा 12 वीं योजना के लिये अनुमानित आंकड़ों से कम परन्तु 13 वें वित्त आयोग के अनुमानों से अधिक हैं। हमारे द्वारा प्रक्षेपित आंकड़े 12 वीं पंचवर्षीय योजना के लिये राज्य सरकार द्वारा प्रक्षेपित आंकड़ों से कुछ भिन्न है। योजना के लिये किये गये पूर्वानुमान 14.7% वृद्धि दर पर आधारित हैं। वर्ष 2012–13 के बजट आंकड़े (रु0 12175.59 करोड़) ही इस वर्ष के लिये प्रक्षेपित आंकड़ो से कम है। आयोग का मत है कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद को आधार मानकर पूर्वानुमान किया जाना अधिक सही होगा। हमारे अनुमान के अनुसार पॉच वर्षों (2012–2017) की अवधि में राज्य का स्वयं कर राजस्व रु0 82163 करोड़ का होगा।

कर भिन्न राजस्व

4.17 राज्य के स्वयं के राजस्व में कर भिन्न राजस्व का हिस्सा 20% से अधिक है। वर्ष 2001–02 से वर्ष 2009–10 की अवधि में कर भिन्न राजस्व की चक्रीय वार्षिक वृद्धि दर 19.63% थी जबकि देश के सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों में यह वृद्धि दर 13.87% थी। परन्तु इन वर्षों में वृद्धि दर स्थिर नहीं थी। वर्ष 2008–2009 में यह दर 8.96% थी जबकि 2007–08 में 39.28% थी। अंतिम दो वर्षों में कर भिन्न राजस्व में हुई वृद्धि का कारण खनिजों से प्राप्ति (खनिज धातु, कन्सेशन फीस, रायल्टी आदि) में हुई वृद्धि है। उल्लेखनीय है कि खनिकर्म से प्राप्त राजस्व राज्य के कर भिन्न राजस्व का बहुत बड़ा भाग है। वर्ष 2009–2010 में यह राज्य के कुल कर भिन्न राजस्व में 55% था और वर्ष 2010–2011 में बढ़कर 64% हो गया। इसका एक बड़ा कारण कोयले की रायल्टी में वृद्धि है। खनिज राजस्व में परिलक्षित यह शुरूआती वृद्धि आगे जारी नहीं रहेगी बल्कि घट सकती है। पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार पिछले वर्ष अर्थात् 2011–2012 में कर भिन्न राजस्व की वृद्धि दर 18.3% थी जबकि वर्ष 2012–2013 के बजट में इसे 17.8% माना गया है। राज्य में खनिज विशेषकर कोयले के उत्खनन में वृद्धि होने पर खनिज राजस्व में वृद्धि की सम्भावना है। पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार बड़ी और छोटी सिंचाई मदों से वर्ष 2011–2012 में क्रमशः रु. 277 करोड़ और रु. 717 करोड़ की प्राप्तियों के आधार पर वर्ष 2012–2013 (बजट अनुमान) में और आने वाले वर्षों में इसमें और भी वृद्धि की प्रत्याशा की गई है। परन्तु इन पूर्वानुमान के पूरे होने की सम्भावना कम है। इसलिये हमारा मानना है कि वर्ष 2010–2011 की तुलना में वर्ष 2011–2012 में कर भिन्न राजस्व में 18% वृद्धि होगी तथा 2012–2017 की अवधि में यह वार्षिक चक्रीय दर 16% रहेगी।

4.18 उपर्युक्त आधार (16% चक्रीय वार्षिक दर) पर राज्य का प्रक्षेपित कर भिन्न राजस्व नीचे दर्शाया गया है। इसके साथ ही 13 वे वित्त आयोग के अनुमान भी प्रस्तुत हैं। परंतु हमने कर भिन्न राजस्व का प्रक्षेपण सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3% के बराबर माना है क्योकि पूर्व वर्षो में इस राजस्व का अनुपात राज्य के सकल घरेलू उत्पाद से लगभग इतना ही रहा है।

तालिका – 4.12

कर भिन्न राजस्व का प्रक्षेपण

(करोड़ रूपयों में)

	2011–12 आधार वर्ष	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
16% वार्षिक चक्रीय वृद्धि दर पर	4425.7	5249.81	6089.78	7064.15	8194.41	9505.52
13 वें वित्त आयोग की प्रक्षेपण	2516.25	2652.46	2811.4	2982.9	--	--
राज्य सरकार की प्रक्षेपण	4348.16	5145.29	5653.47	6211.27	6823.45	7495.19
सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3%	4038.4	4624	5294.4	6062	6941	7948
वास्तविक	4537.00 (पुन. अनु.)	5745.56 (बजटअनु.)	---	-- --	-- --	-- --

वर्ष 2011–12 (पुनरीक्षित अनुमान) तथा वर्ष 2012–13 (बजट अनुमान) में इस राजस्व में 13 वें वित्त आयोग के पूर्वानुमान से बहुत अधिक अर्थात् 100% से भी अधिक वृद्धि हुई है। 13 वें वित्त आयोग के पूर्वानुमान वार्षिक चक्रीय वृद्धि दर (जो की उच्चतम है) के आधार पर प्रक्षेपण तथा सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 3% दोनो से काफी कम है। हमने राज्य के स्वयं के कर राजस्व का अनुमान कर राजस्व और सकल राज्य घरेलू उत्पाद के परस्पर अनुपात के आधार पर किया है। अतएव गैर कर राजस्व का अनुमान भी इसी आधार पर किया गया है। 3% सकल राज्य घरेलू उत्पाद के आधार पर किया गया अनुमान अधिक वास्तविक प्रतीत होता है। कर भिन्न राजस्व के प्रक्षेपण के मामले में हमने शासन द्वारा 12 वीं पंचवर्षीय योजना के लिये किये गये प्रक्षेपण का उपयोग नहीं किया हैं। दोनों में वैसे भी इन अन्तर बहुत मामूली है।

4.19 हमारे प्रक्षेपण के अनुसार आयोग की अधिनिर्णय अवधि के दौरान कर और कर भिन्न राजस्व के माध्यमों से राज्य सरकार का स्वयं का राजस्व निम्नानुसार होने का अनुमान है–

तालिका 4.13

राज्य के स्वयं के राजस्व का पूर्वानुमान

करोड़ रूपये में

	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	कुल योग
स्वयं का कर राजस्व	12175.6	14118.5	16165.8	18509.7	21193.6	82163.2
कर भिन्न राजस्व	4624	5294.4	6062	6941	7948	30869.4
कुल स्वयं का राजस्व	16799.6	19412.9	22227.8	25450.7	29141.6	113032.6

व्यय

4.20 हमने पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य के राजस्व व्यय का विश्लेषण अगले पांच वर्षों के दौरान जरूरी आयोजनेत्तर राजस्व व्यय का पूर्वानुमान लगाने के लिये किया है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि राज्य का स्वयं का राजस्व किस सीमा तक इन दायित्वों को पूरा करता है। स्थानीय निकायों को कोष का अन्तरण सीमा को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

4.21 पिछले पांच वर्षों (2005–2011) के दौरान राज्य सरकार का कुल व्यय और व्यय के सभी घटकों का विवरण निम्न तालिका 4.15 में दिया गया है –

तालिका 4.14

कुल व्यय और उसके घटक

करोड़ रूपये में

	2006–07	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12 (पुन.अनु.)
कुल व्यय	11,773	14,473	17,226	20,910	22,876	32,748
वृद्धि दर	26.71	22.93	19.02	21.39	9.4	43.15
राजस्व व्यय	8802 (75)	10,840 (75)	13,794 (80)	17,265 (83)	19,356 (85)	25568 (78)
आयोजनेत्तर राजस्व व्यय	6194	7264	8373	10,448	11,287	13,763

पूंजीगत व्यय	2198 (19)	3,131 (22)	2940 (17)	2745 (13)	2952 (13)	5844 (17.8)
ऋण और अग्रिम	773 (07)	502 (04)	492 (03)	900 (04)	569 (02)	1336 (04)

कोष्टक में दिये गये आकड़े कुल व्यय का प्रतिशत है।

वर्ष 2001–02 से वर्ष 2009–10 के दौरान राज्य का कुल व्यय वार्षिक चक्रीय दर पर 18.16% था जबकि देश के अन्य सामान्य वर्ग राज्यों में यह वृद्धि दर 13.53% थी। परंतु यह वृद्धि दर स्थिर नहीं थी और वर्ष 2006–07 से 2010–11 के बीच 9% से 26% वर्ष और वर्ष 2011–12 (पुनरीक्षित अनुमान) में 43.15% रही। यह आवश्यक है कि वर्ष 2010–11 एक सामान्य वर्ष नहीं था।

4.22 राजस्व व्यय सामान्यतः सेवाओं के वर्तमान् स्तर को बनाये रखने, परिसम्पत्तियों के अनुरक्षण तथा ब्याज के भुगतान के लिये किया जाता है। पिछले 3 वर्षों के दौरान राजस्व व्यय कुल व्यय के 80% से अधिक था। राजस्व व्यय में आयोजनेत्तर व्यय का भाग लगभग 60% था। यद्यपि आयोजनेत्तर राजस्व व्यय जो वर्ष 2006–2007 में 70% था, घटकर वर्ष 2010–11 में 58% रह गया, तथापि इन पांच वर्षों में इसके आकार में 100% की वृद्धि हुई। पिछले दो वर्षों (2010 से 2012) मे यह व्यय 13 वें वित्त आयोग के पूर्वानुमान से कहीं अधिक बढ़ गया और वर्तमान् वर्ष (2012–13) में उसकी स्थिति निम्नानुसार है :

तलिका 4.15

13 वे वित्त आयोग का पूर्वानुमान और वास्तविक स्थिति

करोड़ रूपये में

वर्ष	13 वे वित्त आयोग का पूर्वानुमान	वास्तविक स्थिति	अंतर प्रतिशत में
2010-2011	8901.89	11,286.39	27%
2011-2012	9670.3	13,762.68 (पुन0 अनु0)	42.3%
2012-2013	12,959.42	15631.14 (बजट अनुमान)	20.6%

आयोजनेत्तर राजस्व व्यय के मुख्य घटक सरकार के प्रतिबद्ध व्यय हैं अर्थात् वेतन एवं मजदूरी, पेंशनगत व्यय, ब्याज भुगतान और सब्सिडी आदि और इनमें पिछले वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है।

1. **वेतन और मजदूरी पर व्यय** – वर्ष 2001–2002 से वर्ष 2009–2010 के दौरान सरकार का वेतन और मजदूरी पर व्यय 15.15% था जबकि सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों में यह व्यय 11.45% था। वर्ष 2010–2011 में आयोजनेत्तर वेतन और मजदूरी व्यय 13 वें वित्त आयोगके मूल्यांकन से 22% अधिक हुआ। वर्ष 2011–2012 तथा 2012–2013 में भी यही प्रवृत्ति रही। यथार्थ यह है कि वर्ष 2006–2011 की अवधि में वेतन और मजदूरी (आयोजना और आयोजनेत्तर) कुल राजस्व प्राप्तियों के 30% के समतुल्य था।

(ii) **पेंशन पर व्यय** – पेंशन पर व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि परिलक्षित हो रही है। वर्ष 2001–10 के दौरान यह राज्य के राजस्व प्राप्तियों का लगभग 8% और राजस्व व्ययों का 9% तथा आयोजनेत्तर राजस्व व्ययों का 16% था। पेंशन भुगतान पर व्यय 13 वें वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2010–11 के पूर्वानुमान से काफी अधिक अर्थात 84% तक है और वर्ष 2011–12 तक इसके 90% और वर्ष 2012–13 (बजट अनुमान) में लगभग 100% तक बढ़ जाने का अनुमान है।

(iii) **ब्याज भुगतान** – ब्याज का भुगतान 13 वें वित्त आयोग के द्वारा वर्ष 2010–2011 के लिये पूर्वानुमान (रु0 1578 करोड़) से कम (रु0 1198 करोड़ रूपये) रहा। इसी प्रकार वर्ष 2011–2012 तथा वर्ष 2012–2013 के लिये 13 वें वित्त आयोग के पूर्वानुमान क्रमशः रु. 1830 करोड़ और रु. 2126 करोड़ के विरूद्व ब्याज भुगतान घटकर क्रमशः रु. 1254 करोड़ और रु. 1836 करोड़ हो जाने की संभावना है। इससे पता चलता है कि राज्य द्वारा ऋण कम लिया जा रहा है।

(iv) **सब्सिडी**– सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण सहित विभिन्न प्रयोजनों और कार्यक्रमों पर सब्सिडी के रूप में व्यय जो वर्ष 2006–07 में रू. 361 करोड़ था, वह बढ़कर वर्ष 2010–11 में रु. 1764 करोड़ हो गया है। इस तरह इसमें लगभग 500% की वृद्धि हुई है। वर्ष 2010–11 में सब्सिडी की राशि राजस्व व्यय के 9% के समतुल्य थी। सब्सिडी पाने वालों में प्रमुख है – कृषि और संबद्ध गतिविधियॉ जिसमें खाद्य भण्डारण सम्मिलित है (रु.

622.54 करोड) बिजली (रु. 202 करोड़) तथा सामाजिक कल्याण एवं पोषण (रु0 887 करोड़)। सब्सिडी का बढ़ता हुआ बिल राज्य के लिये चिंता का विषय होना चाहिये।

4.23 पिछले पांच वर्षों के दौरान आयोजनेत्तर राजस्व व्यय निम्नानुसार था –

तालिका 4.16
आयोजनेत्तर राजस्व व्यय

करोड़ रूपये में

	2006–07	2007–08	2008–9	2009–10	2010–11	2011–12
आयोजनेत्तर राजस्व व्यय	6194	7264	8373	10448	11287	13763
वृद्धि दर	13.68	17.27	15.27	24.78	8.03	21.94
सकल राज्य घरेलू उत्पाद का %	9.3	9.1	8.6	10.5	9.6	10.2

वर्ष 2006–2011 के दौरान आयोजनेत्तर राजस्व व्यय की चक्रीय वार्षिक दर 16% थी। वर्ष 2011–12 में यह सर्वाधिक ऊँचाई पर 21.94% रही परन्तु 2012–13 (बजट अनुमान) में घटकर लगभग 14% रह गई। इन पांच वर्षों में आयोजनेत्तर व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 9.5% औसत के समतुल्य था। वर्ष 2011–12 (पुनरीक्षित आंकड़े) में यह बढ़कर 10.02% हो गया था, परन्तु वर्ष 2012–13 (बजट अनुमान) में घटकर 9.5% हो गया है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद 9.5% के आधार पर 2012–15 के प्रथम तीन वर्षों के लिये तथा 10% के आधार पर शेष दो वर्षों (2015–2017) के लिये गैर योजना राजस्व व्यय 2012–13 से 2016–17 की अवधि में निम्नानुसार अनुमानित है –

तालिका 4.17
प्रक्षेपित आयोजनेत्तर राजस्व व्यय

करोड़ रूपये में

	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
प्रक्षेपित सकल राज्य घरेलू उत्पाद	154132	176481	202072	231371	264920
9.5% और 10% पर प्रक्षेपित आयोजनेत्तर राजस्व व्यय	14642.5 (9.5%)	16765.7 (9.5%)	19196.8 (9.5%)	23137.1 (10%)	2649.2 (10%)

आयोजनेत्तर राजस्व व्यय राज्य के स्वयं के कर राजस्व से अधिक है, परंतु राज्य के स्वयं के कुल राजस्व (कर एवं कर भिन्न राजस्व) से कम है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दिखाया गया है–

तालिका 4.18

राज्य के स्वयं के राजस्व का प्रक्षेपण

करोड़ रूपये में

	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17	कुल योग
स्वयं का कुल राजस्व	16799.6	19412.9	22227.8	25450.7	29141.6	113032.6
आयोजनेत्तर राजस्व व्यय	14642.5	16765.7	19196.8	23137.1	26492.0	100234.1
अंतर	2157.1	2647.2	3031.00	2313.6	2649.6	12798.5

अगले पांच वर्षों की अवधि के दौरान राज्य के कर एवं भिन्न राजस्व आयोजनेत्तर व्यय से अधिक होने का अनुमान है। स्थानीय निकायों को कोष के अन्तरण की अनुशंसा करते समय हमने इस स्थिति को ध्यान में रखा है।

◆◆◆